साप्ताहिक

RNI. NO.MPBIL/2015/ 64345

अग्रित पत्रिका

वर्ष : 8 अंक 5 | ग्वालियर, सोमवार 5 सितंबर 2022 | मूल्य : 3 रुपया, पृष्ठ : 8

कुंठित अधिकारी की तानाशाही !

सतीश कुमार एस (IAS)
कलेक्टर भिण्ड

www.agritpatrika.com

एक आईएएस का यह व्यवहार कहां तक उचित?, जब कार्य नहीं कर पा रहे तो दबाव बनाकर लोगों को बोलने से रोकने की हो रही कोशिश

एक व्यक्ति आईएएस बनता है कड़ी मेहनत और कड़ी परीक्षा के बाद। आईएएस बनने के लिए व्यक्ति को काफी मेहनत करनी पड़ती है और जब वह आईएएस चुन लिया जाता है उसके बाद उसे ट्रेनिंग से भी गुजरना होता है और तब जाकर कहीं किसी जिले की कलेक्टरी उसे मिलती है। लेकिन जब यही आईएएस अपने पद का दुरुपयोग आम जनता या अन्य किसी के खिलाफ करने लगे तो उसे क्या कहा जाएगा? कड़ी परीक्षा इसलिए दी जाती है ताकि एक आईएएस जिले के लिए और यहां रहने वाले लोगों के लिए कार्य करते वक्त कोई डिसीजन ले सके, ना कि उनके ऊपर तानाशाही करें।

जहां बेदर्द हाकिम हो, वहां फरियाद क्या करना

अब डॉक्टर सतीश कुमार एस. साहब तो अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एफआईआर को हथियार बनाकर लोगों को डराना चाहते हैं। लेकिन यह एफआईआर किसी के मन-मस्तिष्क पर कितना विपरीत प्रभाव डाल सकती है या उसके भविष्य को किस प्रकार खराब कर सकती है इसका अंदाजा शायद उन्हें नहीं है। जिन लोगों पर पूर्व में एफआईआर हुई हैं और जो कोर्ट कचहरी के चक्कर लगा रहे हैं वही यह समझ सकते हैं। अगर खुद डॉ सतीश कुमार एस. पर किसी के द्वारा मामूली सी बात को लेकर एफआईआर दर्ज करा दी गई होती तो क्या वह आईएएस बन पाते? उनके ऊपर एक बदनुमा धब्बा लग चुका होता। अगर उनके पढ़ते हुए बच्चे पर जिनके लिए उन्होंने सपने संजोए हुए हैं कि वह आगे जाकर बहुत बड़ा आदमी बनेगा, लेकिन किसी सामाजिक कार्य करते हुए उसके ऊपर एफआईआर दर्ज कर दी जाए तो उनके ऊपर क्या गुजरेगी? यह वह तभी समझ सकते हैं जब एक बाप की हैसियत से सोचें। किसी निर्दोष पर केवल वैमनस्यता और मानसिक कुंठा के चलते एफआईआर कराना कहां तक उचित ठहराई जा सकती है। किसी आईएएस द्वारा इस प्रकार की एफआईआर करवाना वह भी जनता की आवाज उठाने वाले पत्रकारों और पेड़ कटने से बचाने के लिए गुहार लगाने के लिए पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं और समाजसेवियों पर एफआईआर करवाने से आखिर कलेक्टर साहब के कलेजे को कितनी ठंडक पहुंची होगी? अब यह तो वह खुद के अंदर झांक कर ही और खुद को उस जगह पर रखकर ही सोच सकते हैं कि जिनके ऊपर एफआईआर करवाई है उनके ऊपर क्या गुजरती है। अब इस प्रकार के आईएएस को किसी भी प्रकार के अधिकार देना किस प्रकार से सही होगा? यह सरकार के लिए भी घातक हो सकता।

एक कलेक्टर केवल शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित ना होकर अपने बुद्धि विवेक से निर्णय ले सकता है। लेकिन इसके उलट भिण्ड कलेक्टर हैं जो कि अपनी कलेक्टरी का तानाशाहीपूर्ण उपयोग कर रहे हैं। कहने को तो वह अपने हिसाब से अपना काम सही कर रहे हैं। लेकिन वह आम जनता, पत्रकार अथवा अधिवक्ता किसी के भी द्वारा उठाई जा रही आवाज को अपनी तौहीन समझते हैं और फिर अपने आपको ऊंचा साबित करने के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए आदेश निकालकर एफआईआर दर्ज करवाकर सामने वाले को दबाने का प्रयास करते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जो हम आपको बता रहे हैं।

अब आप को समझाते हैं किस प्रकार से भिण्ड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस. तानाशाही पूर्ण रवैया अपनाते हुये अपनी आईएएस की डिग्री को धूमिल कर रहे हैं। वह केवल शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन को ही अपना कार्य समझते हुए उसके खिलाफ उठाई जा रही आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

जब डॉ सतीश कुमार एस. की भिंड में कलेक्टर के रूप में पदस्थापना हुए कुछ ही दिन हुए थे तभी किसी बात से नाराज अधिवक्तागण कलेक्टर साहब से मिलने के लिए पहुंचे। लेकिन कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस. ने अधिवक्ताओं से मिलना उचित नहीं समझा और अपने चेंबर के बाहर ताला जड़वा दिया, जबकि कलेक्टर साहब चेंबर के अंदर ही बैठे थे। ऐसे में नाराज अधिवक्ताओं ने कलेक्टर के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की और भला बुरा कहते हुए वहां से चले गए।

इसके बाद बोर्ड परीक्षा के समय में जब कोविड-19 का हवाला देते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा परीक्षार्थियों को 8ः30 बजे परीक्षा हॉल में पहुंचने के निर्देश जारी किए गए थे, जबकि परीक्षा शुरू होने का समय 10 बजे से था। कुछ परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए दूरदराज से आए तो वहीं वाहन के चक्कर में या किसी अन्य कारण से मामूली सा लेट हो गए। उस समय कलेक्टर साहब चाहते तो उन्हें परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता था। लेकिन 10-15 मिनट लेट हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन में प्रवेश ना देते हुए घर का रास्ता दिखा दिया गया। पूरे साल तैयारी कर कलेक्टर साहब की तानाशाही से परीक्षा से वंचित हुए मासूम बालिका और बालक सड़क पर रोते हुए नजर आए। उन्होंने कलेक्टर के खिलाफ प्रोटेस्ट करने की कोशिश की, लेकिन कलेक्टर की तानाशाही के आगे उनकी एक ना चली और उन्हें बलपूर्वक एफआईआर दर्ज करने की धमकी देते हुए हटा दिया गया। ऐसे में उनका पूरा साल बर्बाद हो गया। रोते बिलखते छात्र छात्राएं कलेक्टर को कोसते हुए नजर आए।

एक अन्य मामले में इन्हीं परीक्षाओं के दौरान एक पत्रकार द्वारा परीक्षा में पत्रकारों को कवरेज ना करने देने के बाद परीक्षाओं में चल रही नकल की लेकर टिप्पणी की गई। जो कलेक्टर साहब को नागवार गुजरी और वह इतना खफा हो गए कि अपने अधीनस्थों के द्वारा उस पत्रकार पर मामला दर्ज करा दिया, वह भी बैक डेट में आदेश निकाल कर। इसके बाद एक मामला आया जब गौरी सरोवर में रिटेनिंग वॉल बनाए जाने को लेकर वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही थी। चूंकि वृक्ष समाजसेवियों द्वारा लगाए गए थे, ऐसे में उन्हें पीड़ा होना लाजमी था। कई समाजसेवियों ने इसका विरोध किया और कलेक्टर साहब से वृक्षों की कटाई रुकवाकर दूसरा कोई उपाय अपनाते हुए रिटेनिंग वॉल बनाने की गुहार लगाई। लेकिन कागजों में काम करने वाले कलेक्टर साहब किसी की सुनने को तैयार ही नहीं थे। जिसके बाद इन वृक्षों की कटाई रुकवाने की गुहार लेकर कुछ समाजसेवी और छात्र-छात्राएं कलेक्टर के पास ज्ञापन लेकर पहुंचे ताकि गौरी सरोवर की सुंदरता बढ़ा रहे वृक्षों को कटने से बचाया जा सके। लेकिन कलेक्टर ने उन छात्र-छात्राओं से ना मिलते हुए तहसीलदार महोदया को भेज दिया। जिससे छात्र-छात्राओं ने कलेक्टर से मिलने की जिद करते हुए तहसीलदार को ज्ञापन देने से मना कर दिया। उनका कहना था कि मामले में कलेक्टर साहब ही हस्तक्षेप कर पेड़ों की कटाई को रुकवा सकते हैं, ऐसे में उनसे ही मिलेंगे। लेकिन कलेक्टर साहब ने इन छात्र-छात्राओं से मिलना तो दूर उन्होंने एक आदेश निकाल कर परिसर में धरना प्रदर्शन जुलूस आदि को प्रतिबंधित बताते हुए तहसीलदार महोदया के द्वारा ज्ञापन देने गए समाजसेवियों के साथ ही पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं के ऊपर मामला दर्ज करवा दिया। यही नहीं ज्ञापन में कुछ कोचिंग संचालक भी शामिल हुए थे तो नाराज कलेक्टर साहब ने कोचिंग पर भी ताला जड़वा दिया। इस मामले में भी कलेक्टर की जमकर आलोचना और किरकिरी हुई।ताजा मामले में जो हाल ही में घटित हुआ है उसमें एक स्थानीय पत्रकार ने जब हाथ ठेले पर अपने पिता को अस्पताल ले जाते हुए एक पुत्र-पुत्री को देखा तो उसकी खबर बनाई। जिसके बाद सभी मीडिया संस्थानों ने इस खबर को प्रमुखता से चलाया। लेकिन कलेक्टर साहब खबर से इतना बौखला गए कि उन्होंने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के ऊपर दबाव डालकर तीन पत्रकारों पर मामला दर्ज करवा दिया। कलेक्टर की तानाशाही इसी से समझी जा सकती है कि अगर कुछ खबर गलत चली थी तो उसका खंडन भी किया जा सकता था या फिर आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कराया जा सकता था। लेकिन कलेक्टर साहब के दबाव के चलते मामला भी आईटी एक्ट की धाराओं में दर्ज ना करते हुए पत्रकारों पर 420 जैसी गंभीर धारा भी लगा दी गई। अब किसी की समझ में यह नहीं आ रहा कि पत्रकारों ने किसके साथ 420 की? इसमें एसपी साहब की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही रही है। अथवा थाना प्रभारी द्वारा दबाव में कार्य करते हुए एफआईआर दर्ज की गई जिसमें जबरन सभी पत्रकारों पर धारा 420 लगा दी गई।

ऐसे में समझा जा सकता है कि कलेक्टर साहब कितने हठधर्मी हैं, उनके खिलाफ जरा सा कुछ लिख दो तो वह बौखला उठते हैं। इन्हीं कलेक्टर साहब के दो अन्य वीडियो भी सामने आ चुके हैं। जिसमें एक वीडियो में तो स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की क्लास लेते हुए उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों कर्मचारियों को अपशब्द तक बोल दिए। वहीं एक अन्य मामले में जब नगर पालिका द्वारा सदर बाजार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी तो कलेक्टर साहब का विवाद एक व्यापारी से गया। जिसके बाद कलेक्टर साहब इतना गुस्सा हुए जिन्होंने व्यापारी से बोल दिया कि मुझे गोली मार दो। अब भला ऐसा भी कोई आईएएस करता है?

अब कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस. की इस कुंठा को इस तरह भी समझा जा सकता है कि कुछ समय पूर्व एक कलेक्टर आए जिनकी तारीफ करते हुए भिण्ड की म जनता थकती नहीं है। शायद डॉ सतीश कुमार एस. भी कुछ ऐसा ही करने की सोच कर आए थे। लेकिन हर किसी में वह बात नहीं होती। ऐसे में अपनी वाह वाही ना होते देख वह कुंठा से भर गए और वह ऊल जलूल काम करने लगे। सुनने में आया है की यह पूर्व कलेक्टर भिण्ड के किसी व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े हुए थे। ऐसे में कुंठा से ग्रसित वर्तमान कलेक्टर ने उनसे दोस्ती की दुहाई देते हुए ग्रुप को छोड़ने के लिए मजबूर किया। मजबूरन उन्होंने ग्रुप को अलविदा कह दिया।

बड़े बुजुर्गों का भी कहना है कि अगर कोई आपकी गलती अथवा कमी को बता रहा है तो उसे शिरोधार्य करते हुए उसको सुधारने का प्रयास करना चाहिए, ना कि सामने वाले को ही गलत ठहराने का प्रयास किया जाना चाहिए। लेकिन भिंड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस. गलती अथवा कमी दिखाने वालों और फरियाद लेकर आने वालों को ही मुजरिम बनाते हुए उन पर एफ आई आर दर्ज करवा रहे हैं, ना कि अपनी गलतियों को सुधारने अथवा उनसे सीख लेने की कोशिश कर रहे हैं।

मामा शिवराज ने बच्चों से साझा की आज़ादी की कुछ जानी-अंजानी कहानियाँ

सभी जीव-जंतुओं में एक ही चेतना, उनकी रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री ने इंदौर में किया सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण संस्थान का शुभारंभ

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को इंदौर के अभय प्रशाल में तेरा वैभव अमर रहे माँ कार्यक्रम में अलग ही अन्दाज़ में नज़र आए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण संस्थान इंदौर चेप्टर का शुभारंभ कर शालेय छात्र-छात्राओं के साथ खुला संवाद कर कुछ जानी-अंजानी आजादी की कहानियाँ बच्चों को सुनाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ बच्चों की केमिस्ट्री यादगार बन गई। अपने बीस मिनट के बच्चों से वार्तालाप के दौरान मुख्यमंत्री देश-भक्ति के रंगों में सभी को भिगोया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी बच्चों को पर्यावरण की रक्षा, सबका सम्मान और विश्व-कल्याण का संकल्प भी दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वासुधैव कुटुंबकम सदैव ही भारत का ध्येय रहा है। हमारे देश ने इस भाव को अपने अंदर समाहित किया - सब सुखी रहें, सब निरोगी रहें और सब का कल्याण हो। उन्होंने कहा कि 5 हजार साल से पुराने हमारे देश का ज्ञात इतिहास रहा है। जब तथाकथित विकसित देशों में सभ्यता का सूर्य उदय भी नहीं हुआ था, तब भारत में वेदों की ऋचाएँ गढ़ ली गई थी। उन्होंने कहा कि देश-भक्ति के भाव के साथ देश एवं प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जब परतंत्रता की बेड़ियों ने भारत को जकड़ा तब हमारे क्रांतिकारियों ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह एवं उधम सिंह द्वारा देश के लिए किए गए बलिदान और स्वतंत्रता की लड़ाई का वृतांत सुनाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को क्रांतिकारियों द्वारा आजादी के संकल्प के लिए दिए गए बलिदान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव इन्हीं क्रांतिकारियों के स्मरण में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित विद्यार्थियों का आहवान किया कि आज हमें देश के लिए जीना है और देश-भक्ति के भाव के साथ अपने देश एवं प्रदेश के विकास और प्रगति में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि कर्मठ और ईमानदार नागरिक ही देश एवं प्रदेश का निर्माण करते हैं। आज की युवा पीढ़ी को ऐसा ही नागरिक बन कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, गुरू और बहन-बेटियों का सम्मान और इज्जत करने का भाव अपने अंदर विकसित करने का संकल्प लेने की बात कही।

हर विद्यार्थी अपने जन्म-दिन पर एक पौधा लगाने का लें संकल्प

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विश्व के सभी जीव-जंतुओं में एक ही चेतना है। हमें सिर्फ मनुष्य ही नहीं बल्कि प्रकृति और यहाँ रहने वाले पशु-पक्षियों की भी रक्षा करनी है। उनके प्रति प्रेम का भाव उत्पन्न करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे रोज पौधे रोप कर अपने दिन की शुरुआत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का सघन भ्रमण

भोपाल

पर्यावरण, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग मंदसौर जिले के सुवासरा क्षेत्र में वर्षा से उत्पन्न स्थिति और किसानों की कठिनाइयों को जानने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों का सघन दौरा कर रहे हैं। मंत्री श्री डंग ने आज ग्राम खेजड़िया मेघा, पारदी खेड़ा, बावड़ी खेड़ा, हंसपुरा, बर्डिया गुर्जर, तरावली, प्रतापपुरा, ढ़ाबला महेश, धलपट और जमुनिया का दौरा किया।

मानव स्वास्थ्य सुरक्षा में औषधीय पौधों के उपयोग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

वन मंत्री डॉ.शाह शनिवार को करेंगे शुभारंभ

भोपाल । वन मंत्री डॉ. कुवर विजय शाह और आयुष राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) श्री रामकिशोर कावरे शनिवार को मानव स्वास्थ्य सुरक्षा में औषधीय पौधों का उपयोग विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे। प्रशासन अकादमी में होने वाली इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों के प्रख्यात वैज्ञानिक, आयुर्वेद चिकित्सक, शौधकर्ता और विषय-विशेषज्ञ विचार-विमर्श कर नये दृष्टिकोण साझा करेंगे। देश के तकरीबन 100 लोंगो द्वारा अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए गए हैं, जिनका प्रकाशन सोविनियर के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र के रूप में तेजी से उभरता म.प्र.

मध्यप्रदेश आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहँ औषधीय पौधों की बहुतायत है और जैव विविधता से समृद्ध है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में यह औषधीय महत्व की वनस्पति का पारम्परिक ज्ञान रखने वाली जनजातियाँ निवास करती हैं। आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान एवं आयुर्वेद दवाओं के निर्माण और प्र-संस्करण के लिए भी मध्यप्रदेश ने विशिष्ट स्थान बनाया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वरिष्ठ जन-कल्याण समिति के सदस्यों के साथ किया पौध-रोपण

स्मार्ट सिटी में लगाए बरगद, नीम और गुलमोहर के पौधे

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में वरिष्ठ जन- कल्याण समिति के सदस्यों के साथ पौध-रोपण किया। समिति के श्रीमती वंदना त्रिवेदी, श्री हरीश त्रिवेदी, सुश्री श्वेता त्रिवेदी, श्री विनोद शर्मा, श्री कार्तिकेय शर्मा और सुश्री सविता शर्मा ने बरगद, नीम और गुलमोहर के पौधे लगाए। श्रीमती वंदना त्रिवेदी और श्री विजेंद्र सिंह ने अपने जन्म-दिवस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ पौधा लगाया। पौध-रोपण में श्री नितिन चौहान और श्री राजेश सिंह भी सम्मिलित हुए। समिति, बुजुर्गों की सेवा, वृक्षा-रोपण और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का भी संचालन करती है। साथ ही नियमित योग कक्षाओं के संचालन के साथ समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है।

समिति की श्रीमती वंदना त्रिवेदी सेवानिवृत शिक्षिका हैं। वे जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा में सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है।

पौधों का महत्व : बरगद का धार्मिक औषधीय महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार बरगद की पत्तियों, छाल आदि से कई बीमारियों का इलाज संभव है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है।

प्रदेश में 17 सितंबर से 31 अक्टूबर तक पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देने चलेगा अभियान

सभी पथ विक्रेताओं को दिया जायेगा संबल योजना का लाभ - बनेंगे उनके संबल कार्ड

भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराई जमीनों पर गरीबों के लिए बनेगी सुराज कॉलोनी - मुख्यमंत्री श्री चौहान

स्वावलम्बी और आत्म-निर्भर प्रदेश की अवधारणा को मूर्त रूप दे रही है पथ विक्रेता योजना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर में पथ विक्रेताओं के साथ पारिवारिक वातावरण में किया संवाद

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश शासन का संकल्प है कि लोगों के जीवन में परिवर्तन लाकर उनके चेहरों पर मुस्कान लायी जाये। इस दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कई योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इसका लाभ दिखायी भी दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी ही एक पथ विक्रेता योजना है, जो स्वावलम्बी और आत्म-निर्भर प्रदेश की अवधारणा को मूर्त रूप देते हुए हितग्राहियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उनका जीवन खुशहाल बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितंबर से विशेष प्रदेश में अभियान शुरू किया जायेगा। इसमें यह सुनिश्चित किया जायेगा कि सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिले। हितग्राहियों को रोजी-रोटी, उनके बच्चों के शिक्षण, स्वास्थ्य आदि का सीधा लाभ मिल सके। इसके लिये हर जिले के प्रत्येक वार्ड और पंचायत में शिविर लगा कर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज इंदौर में मुख्यमंत्री की बात पथ विक्रेताओं के साथ कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पारिवारिक वातावरण में पथ विक्रेताओं के साथ रूबरू होकर संवाद किया और उनके अनुभव सुन कर समस्याओं को जाना। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा सुश्री कविता पाटीदार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री आकाश विजयवर्गीय, श्रीमती मालिनी गौड़ तथा श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री गौरव रणदीवे, श्री मधु वर्मा, कलेक्टर श्री मनीष सिंह मौजूद थे।

गरीब सम्मान के साथ कर सकें व्यवसाय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार गरीबों की सरकार है। लोगों की दिनचर्या अगर सामान्य रूप से चल पा रही है, तो उसमें सबसे बड़ा योगदान पथ विक्रेताओं का है। वे अलग-अलग, छोटे-बड़े काम कर प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे सभी पथ विक्रेताओं को संबल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इंदौर जिले में अभी तक 94 हजार लोगों को इन योजनाओं में लाभ मिल चुका है। शेष रहे पात्र हितग्राहियों को लाभ देने के लिए विशेष शिविर लगाये जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पथ विक्रेता पूरे सम्मान के साथ अपना व्यवसाय कर सके। इसके लिए सभी जन-प्रतिनिधियों को विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने इंदौर जिले के जन-प्रतिनिधियों से कहा कि वह जिले में पृथक से ऐसे स्थान चिन्हित करें जहाँ हाथ ठेले वाले पूरे सम्मान के साथ कार्य कर सकें।

जरूरतमंदों के लिये की जायेगी आवास की व्यवस्था

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर वर्ग के व्यक्ति को समान अधिकार मिलें, इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही है। गरीबों के लिए रोटी, मकान, स्वास्थ्य और शिक्षा का पूर्ण इंतजाम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना एवं मुख्यमंत्री अन्न योजना में गरीबों को निःशुल्क राशन प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो गरीब बरसों से जिस भूमि पर रह रहा था, उसे वहीं का पट्टा देकर जमीन का स्वामी बनाया जाएगा।

पिछोर पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का किया पर्दाफाश पांच लाख रुपये की 7 मोटरसाइकिल बरामद आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल द्वारा शहर में चोरी के मामलों में संलिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के तहत कार्य करते हुए पिछोर थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है जानकारी के अनुसार

खनिज नाका नये चौराहा चंदेरी रोड पर वाहन चैकिंग की जा रही थी तभी दौराने वाहन चैकिंग हीरो एच.एफ. डीलक्स मोटर साईकिल क्रं. एमपी33 एमआर 8724 के मोटर साईकिल चालक को रोककर पकड़ा जो थाना पिछोर के अप. क्रं. 496/22 धारा 379 ता.हि. का मसरुका होने से उक्त वाहन जप्त किया व आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार किया । आरोपी से कडाई से पूछताछ की गई तो आरोपी द्वारा बताया कि वह अपने दो अन्य साथी निवासी ग्राम अछरौनी व नयागाँव के साथ मिलकर मोटर साईकिल चोरी करते है तथा एक साथी चोरी की गई मोटर साईकिलो का सामान बदलकर अन्य लोगो को बेचते है तथा दूसरा लोगो को मोटर साईकिल बेचने के काम करता है। आरोपी ने पूछताछ पर उक्त मोटर साईकिल समेत अन्य 6 मोटर साईकिलें कस्बा पिछोर व आस पास के क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार किया । आरोपी द्वारा चोरी की गई अन्य 6 मोटर साईकिलों अपने घर से बरामद कराई है । पकडी गई अन्य 6 मोटर साईकिल मे से एक मोटर साईकिल हीरो HF डीलक्स क्रमांक MP MP 4355 थाना पिछोर के अप. क्र. 501/22 धारा 379 भादवि का मसरुका है। आरोपी व्दारा 5 मो. सा. के चैसिस नंबर जप्तशुदा मोटर साईकिल एक ही कम्पनी हीरो HF डीलक्स है जिनकी कुल कीमत 5 लाख रुपये है। आरोपी पुलिस रिमाण्ड पर दिनाँक 03.09.22 तक है।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिहं गुर्जर , उ.नि. बी.एल. दोहरे, स.उ.नि. शैलेन्द्र सिंह चौहान, स.उ.नि. अमरलाल बंजारा, स.उ.नि. जहान सिंह, प्र.आर. हिमांशु चतुर्वेदी, हीरा सिंह पाल, अरविन्द यादव, राजेन्द्र यादव, राघवेन्द्र चौहान, आर. रूपेन्द्र यादव, राघवेन्द्र पाल, बृजेश राणा, हीरा मौर्य, कमल सिंह, मांगीलाल, बचान तोमर, माधव शंकर, गौरव जाट, प्रदीप कौरव की सराहनीय भूमिका रही ।

फोन से फूंका मंतर... सांप का जहर छू मंतर

इंदौर मध्यप्रदेश

मोबाइल का नंबर डायल हुआ. इधर से मुना गुरु ने फोन उसे पीड़ित ने कराहते हुए अपना दु:खड़ा सुनाया. इधर से उन्होंने कान में मंतर फूंका और उधर जहरीले जानवर का जहर मंतर हुआ खासकर बारिश के मौसम में सांप, बिच्छू दीवा अन्य जानवर के काटने से मौत होने की खबरें पढ़ने-सुनने में आती है, लेकिन पीड़ित को समय रहते शक्ति के माध्यम से मरने से बचाया जा सकता है। बंद इसके उदाहरण है। जी हां संत जगनानंद महाराज उर्फ गुरु अभी एक हजारों लोगों को मौत के आस में जाने से बचा चुके हैं। 61 टाइफाइड भी मंतर से ठीक उनका नाम- कैलाश ठिकाना अहीरखेड़ीतकलीफ जहरीली नागिन ने हंसावर्षीय गुरु शिव परिवार के अनन्य भक्त हैं। मकान में उनका बसेरा है। शहर गांव का फिर किसी सुदूर इलाके में जब किसी को जहरीला जानवर खाए तो न कोई का और डॉक्टर के पास जाने को जरूरत गुरु के 9822042971 पर फोन करने की जरूरत है। फोन पर ही कोर सुना और जहर छू मंतर हो जाएगा। केस नंबर 2 नाम दुर्गाबाई माहेश्वरी ठिकाना खुजनेर, जिला राजगढ़ तकलीफ दीवड़ ने फूंका नि:शुल्क करते हैं काम पैसे के लिए काम करता पड़ा। 2004 में के बीच का रोड पर दुर्गेश्वरी के म से कामकाज है, जिससे उनका आराम से हो जाता है। अप होने पर मंदिरो चने को कहते है। मह कोमोज का या फिर न मदर है, यहाँ मझा है।

राज्य साइबर सेल इंदौर में पदस्थ निरीक्षक सोनल सिसोदिया ने आल इंडिया पुलिस गेम्स में कांस्य पदक किया अर्जित

मध्यप्रदेश इन्दौर (चंद्रकांत सी पूजारी)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक योगेश देशमुख , राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय भोपाल एवं पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह ने निरीक्षक सोनल सिसौदिया को केरल में आयोजित 71 वी ऑल इंडिया पुलिस एक्वैटिक एंड क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता 2022 में कांस्य पदक प्राप्त करने पर बधाई दी गई । 71 वी ऑल इंडिया पुलिस एक्वैटिक एंड क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता 2022 केरल में पांच दिन तक आयोजित की गई थी जिसमें भारत की 30 से अधिक पुलिस यूनिट्स की टीमों ने भाग लिया था जिसमें डाइविंग(गोताखोरी) की 1 मीटर स्प्रिंगबोर्ड डाइविंग इवेंट में राज्य सायबर पुलिस मुख्यालय भोपाल झोनल कार्यालय इंदौर में पदस्थ निरीक्षक सोनल सिसौदिया ने कांस्य पदक अर्जित किया ।निरीक्षक सोनल सिसौदिया द्वारा कांस्य पदक अर्जित कर राज्य सायबर सेल इंदौर एवं मध्यप्रदेश पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया गया ।

खिलौनों से बनाई बप्पा की प्रतिमा

इंदौर मध्य प्रदेश (चंद्रकांत सी पूजारी)

विमानतल मार्ग स्थित अशोक नगर में रहने वाले किशोर गहलोत बीते कई सालों से अलग-अलग सामान की मदद से गणपति बप्पा की प्रतिमा बना रहे हैं। नारियल, बर्तन ,माचिस की तीली, कांच के बर्तन से भी, डिस्पोजल, अनाज, बांस सुपडी, से बनाएं ऑटो पार्ट्स, मकान बनाने के औजार ,से भी ड्राईफ्रूट्स नए ,नोट200 500 सिक्के, साइकिल पार्ट्स, बैंड बाजे, इत्यादि चीजों से बना चुके हैं इस वर्ष खिलौनों से गहलोत ने गणपति बनाएं 7 आसपास के सैकड़ों रहवासी खिलौने वाले गणपति के दर्शन करने पहुंचे।

खनियाधाना धर्मपुरा के राशन वितरण में जमकर अनियमितताएं ग्रामीणों ने लगाया राशन वितरण मे धांधली का आरोप

खनियाधाना। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सख्ती के बाद भी खनियाधाना में राशन माफिया बाज नहीं आ रहे हैं पीडीएस के राशन की कालाबाजारी व भ्रष्टाचार के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहै है खनियाधाना धर्मपुरा के राशन वितरण में जमकर अनियमितताएं ग्रामीणों ने आरोप लगाया है ग्रामीणों का आरोप है कि सेल्समैन द्वारा पात्रता से कम राशन दिया जा रहा है जनता शिकवा-शिकायतों में उलझकर अधिकारियों से राशन दिलाए जाने की गुहार लगा रही है आरोप है कि अनेक उपभोक्ताओं के अंगुठे लगवाने के बाद भी उन्हें एक ही योजना का राशन उपलब्ध कराकर खानापूर्ति की जा रही है।

आज राशन लेने पँहचे राकेश आदिवासी मदीपक पाटव,अंकित यादव,शिशुपाल लक्ष्मन जाटव सुखवीर यादव अरविन्द यादव, जन्मसिंह यादव,जिहान सिंह आदिवासी,राकेश आदिवासी आज को को जब वे राशन लेने पहुंची तो उन्हें एक माह का ही राशन दिया गया, जबकि शासन के निर्देशों के मुताबिक इस बार दीनदयाल अंत्योदय अन्य योजना और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत हितग्राहियों को 2 महीने का राशन दिया जा रहा है पात्रता के बाद भी विक्रेताओं द्वारा हितग्राही को एक ही योजना का राशन उपलब्ध कराकर खानापूर्ति की जा रही है। प्रतिमाह कार्डधारियों को उनके हिस्से का राशन दिया जाना चाहिए। राशन न देने के बाद भी विक्रेता द्वारा मनमाने मरीके से उनके कार्ड में पिछले महीनों का शक्कर एवं मिट्टी तेल चढ़ा दिया गया है।

खनियाधाना क्षेत्र के शासकीय स्कूल भगवान भरोसे नदारद रहते शिक्षक महीनों से नही बांटा मध्याह्न भोजन आँखें मूँदे बैठे अफसर

शिवपुरी- जिले के खनियाधाना जनपद क्षेत्र स्कूलों में शिक्षा का क्या स्तर है यह किसी से छुपा नही है। खनियाधाना जनपद क्षेत्र के सरकारी स्कूल भगवान के भरोसे चल रहे हैं. स्कूलो में शिक्षक समय पर नहीं पहूँचते है बीते दिनों मसूरी गांव मे

स्कूल में ताला लटक रहा था, पूछने पर पता चला एक शिक्षक छुट्टी पर हैं दूसरे शिक्षक अपने निजी कार्य से स्कूल नहीं आए हैं जिसका खुलासा हुआ

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित पड़रिया की निरीक्षण में जहा मौके पर ताला लटका मिला था वही आज हम बात कर रहे है क्षेत्र की अन्य स्कूलों की जो पूरी तरह भगवान भरोसे है अगर हम बात करें तो खडीचरा,बघारी, पिपरोदा आलम,पिपरोदा उवारी,पतीचक, मुहांसा,,बूधोन राजापुर,गुरैया,तेरही,पचराई इन स्कूलों मे विद्यालय अध्यापकों की मनमानी की भेंट चढ़ रहे हैं। कब स्कूल खुलेगा और कब बंद होगा, कुछ पता नहीं रहता है ऐसी स्थिति में मध्यान्ह भोजन भी महीनों से नहीं बता एक

तरफ सरकार स्कूलों में बच्चों को भर पेट पौष्टिक भोजन देने के लिए मध्याह्न भोजन की योजना चला रही है. इसके लिए बकायदा हर माह सरकार स्कूलों के लिए लाखों रुपए भी खर्च करती है, लेकिन सरकार की इस योजना में शिक्षा विभाग के ही कुछ नुमाइंदे इसमें भ्रष्टाचार का पलीता लगा रहे हैं. ये लोग मध्याह्न भोजन की राशि खुद के नाम पर निकालकर डकार जा रहे हैं.

स्कूल के अंदर भी अव्यस्था का भी आलम है। प्राथमिक माध्यमिक स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना का कार्य देख रही स्व सहायता समूह द्वारा पिछले आधा सैकड़ा से अधिक माह से माध्याह्न भोजन का वितरण नहीं किया जा रहा है स्कूल में शिक्षक भी समय पर नहीं पहुंचते है

ग्रामीणों ने बताया अक्सर यहां दो में एक ही शिक्षक स्कूल आते हैं। स्कूल के अंदर भी अव्यस्था का भी आलम है। माध्यमिक स्कूलों मध्यान्ह भोजन योजना का कार्य देख रही स्व सहायता समूह द्वारा पिछले आधा सैकड़ा से अधिक माह से माध्याह्न भोजन का वितरण नहीं किया जा रहा है स्कूल में शिक्षक भी समय पर नहीं पहुंचते है इन माफियाओ से जिम्मेदारों से मिलीभगत किसे छुपी नहीं है।

संपादकीय

बेनकाब चीन

चीन के शिनजियांग प्रांत में अल्पसंख्यक मुस्लिमों के दमन के जो आरोप गाहे-बगाहे लगते रहे हैं संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट ने उस पर मोहर लगायी है। जो बताती है कि चीन की निरंकुश सत्ता अल्पसंख्यकों के दमन में सरकारी तंत्र का किस हद तक दुरुपयोग कर रही है। बहरहाल, इस रिपोर्ट ने सारी दुनिया का ध्यान तो खींचा ही है, अब संयुक्त राष्ट्र के ताकतवर देशों को इस मामले में चीन की जवाबदेही तय करने के कारगर उपाय करने चाहिए। निस्संदेह शिनजियांग के अल्पमत वाले उइगर मुस्लिमों का दशकों से जो भयानक दमन चल रहा है संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट उसकी बानगी मात्र है। चीनी सत्ता तंत्र के लौह आवरण वाली व्यवस्था के चलते खबरें वास्तविक रूप में मुश्किल से ही बाहर आ पाती हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट काफी देर से आयी है। अब तक चीन उइगर आबादी को नियंत्रित करने में किसी हद तक सफल हो चुका है। वहां के यातना शिविरों में लाखों लोगों को दी जा रही यातनाएं, जबरन नसबंदी, धार्मिक आजादी पर नियंत्रण की खबरें अकसर शेष दुनिया तक विभिन्न स्त्रोतों से पहुंचती रही हैं। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त द्वारा अपने कार्यकाल के अंतिम दिन इस रिपोर्ट का जारी करना भी बताता है कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में चीन का कितना दबदबा है। ऐसे ही उसने वुहान से पूरी दुनिया में फैली कोरोना महामारी के स्त्रोत तलाशने गई अंतर्राष्ट्रीय टीम की राह में गतिरोध पैदा करके सच को सामने आने से रोका था। बेहतर होता कि संयुक्त राष्ट्र की चीन में मानवाधिकारों पर रिपोर्ट समय रहते आती। तब विश्व जनमत चीन के द्वारा किये जा रहे अल्पसंख्यकों के दमन को रोकने में दबाव बना पाता। बहरहाल चाहे देर से ही सही, इस रिपोर्ट के आने से चीन का असली चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब तो हुआ ही है। जो इस बात की भी पुष्टि करती है कि चीन आतंकवाद रोकने की रणनीति के नाम पर उइगर मुस्लिमों की नस्ल को खत्म करने की साजिश निरंतर करता रहा है। बहरहाल, चीन इस मामले में भले ही कोई दलील दे, शिनजियांग में मानवता के खिलाफ अपराध तो हुए ही हैं। उइगर महिलाओं की बलात नसबंदी, यौन उत्पीड़न व उइगरों के बड़ी संख्या में लापता होने के मामले इस भयावह दमन का चित्र उकेरते हैं। विडंबना यह है कि यह दमन खुद को विश्वशक्ति बताने वाले देश की सरकारी नीतियों के तहत किया जा रहा है। आज 21वीं सदी में यदि किसी नस्ल को नेस्तनाबूत करने की साजिश हो तो यह प्रगतिशील विश्व के लिये शर्मनाक ही कहा जायेगा। उइगर अल्पसंख्यकों से तो सुधारने के नाम पर यातना शिविरों में रखकर जबरन बेगार करवायी जा रही है। पढ़ाई के नाम पर ब्रेनवॉश किया जा रहा है। आबादी नियंत्रण के लिये यातनाएं दी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार तकरीबन दस लाख उइगर मुस्लिमों को सख्त नियम-कानूनों वाले शिविरों में रखकर जनसंख्या पर नियंत्रण के प्रयास किये जा रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में मुस्लिमों के छोटे-छोटे मामलों पर आसमान सिर पर उठाने वाले पाक, मलेशिया व तुर्की जैसे देश उइगर मुस्लिमों के दमन पर अपने स्वार्थों के चलते आंखें मूंदे बैठे हैं। यदि दुनिया के मुस्लिम राष्ट्रों की ओर से इस दमन के खिलाफ आवाज बुलंद की गई होती तो समय रहते विश्व जनमत चीन के खिलाफ दबाव बनाने में कामयाब हो जाता। मगर समरथ को नहीं दोष गुंसाई की कहावत आज भी चीन पर लागू हो रही है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था पर भी चीन दबाव बनाने में कामयाब रहा है। अपने वीटो के हथियार का वह जब-तब प्रयोग करके निरंकुश व्यवहार करता रहा है। बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में चीन तिलमिलाकर इस रिपोर्ट को ही खारिज कर दे। इसे पश्चिमी देशों का दुष्प्रचार बता दे। साथ ही किसी संभवित कार्रवाई को अपनी ताकत के बल पर प्रभावित करे। लेकिन इतना तय है कि संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद चीन के लिये सच को बहुत समय तक पर्दे में रखना संभव नहीं होगा।

देश की सुरक्षा पर खर्च और संसाधनों की जटिलताओं के मायने समझने होंगे

प्रशांत दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, जिसे स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी)-ढ्ढ माना जाता है, नौसेना को सौंप दिया है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह तैरता हुआ रणनीतिक मंच कोचीन शिपयार्ड में बड़े पैमाने पर संसाधनों का उपयोग करके तैयार किया गया है, जिसमें लॉन्चिंग कैटापल्ट, स्काई जंप, एवियोनिक्स, कुछ रडार और विमान संचालन के लिए आवश्यक अन्य सहायक उपकरण शामिल हैं।

यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग है। लड़ाकू विमानों के चयन और कुछ विशेष आत्मसुरक्षा प्रौद्योगिकियों के साथ यह हमारी कल्पनाओं के अनुसार परिचालित होगा। हालांकि अब भी यह मौजूदा मिग 29 लड़ाकू विमान और एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों आदि के साथ संचालन करने में सक्षम है। चूंकि हमारे पास रूस से खरीदा गया विमान वाहक पोत विक्रमादित्य (एडमिरल गोर्शकोव) पहले से है और अब आईएनएस विक्रांत भी तैयार हो गया है, इसलिए अब तीसरे विमान वाहक पोत की चर्चा भी गर्माने लगी है।

हालांकि इसको लेकर दो तरह की बातें सुनने को मिल रही हैं-मधुर से लेकर कर्कश तक। असल में दो तरह के विचार हैं। एक समूह बहुत गंभीरता से स्वदेशी विमान वाहक-II पर काम शुरू करने की पैरवी कर रहा है, क्योंकि आईएनएस विक्रांत पर काम पूरा हो गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित स्वदेशी आईएनएस विक्रांत के 2023 में चालू होने की संभावना है, क्योंकि इस विमान वाहक पोत के लिए अभी विमानों का चयन होना बाकी है और अन्य पोतों पर तैनात हथियार प्रणालियों की खबर आगे बढ़ाना बाकी है, लेकिन दृढ़ विश्वास है कि आईएसी-II पर मौजूदा गतिविधियां उपलब्ध सक्रिय चक्र के लिए पर्याप्त होंगी।

यह रूस से खरीदे गए आईएनएस विक्रमादित्य को पाने के दौरान लागत में भारी वृद्धि, बातचीत की जटिलताएं, देर से वितरण व कमिशनिंग और अब समय-समय पर मरम्मत के कारण हुए दर्दनाक अनुभवों को दूर करने में भी मददगार होगा। इसके अलावा, एक प्रमुख तर्क यह है कि आईएनएस विक्रांत को तैयार करने में कोचीन शिपयार्ड को अपने संतोषजनक कार्य से जो अनुभव प्राप्त हुए हैं, उसे बेकार नहीं जाने देना चाहिए।

आखिरकार रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के साथ रणनीतिक सामग्रियों को संभालने का रणनीतिक ज्ञान है, जो चीन द्वारा अपने तीसरे विमान वाहक पोत के उत्पादन को देखते हुए महत्वपूर्ण है। खबरों की मानें, तो कोचीन शिपयार्ड 70,000 टन तक के विमान वाहक पोत को संभाल सकता है। यह सब अपने समुद्री क्षेत्र में नियंत्रण और वर्चस्व के लिए भारत की सर्वोपरि चिंता से उपजा है।

स्वतंत्र भारत को यह बताने में आधी सदी से भी अधिक समय लगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और मलक्का के बीच हिंद महासागर का इलाका उसकी सामरिक चिंताओं का क्षेत्र है। हालांकि, इसे औपनिवेशिक ब्रिटिश अर्थव्यवस्था और ब्रिटिश राज की रणनीतिक अखंडता के लिए महत्वपूर्ण माना गया था। शीतयुद्ध की समाप्ति और भारत द्वारा बाजार-अर्थव्यवस्था को अपनाने से भले ही हमारी नीति में तेजी आई हो, लेकिन संघर्ष मुक्त क्षेत्र के रूप में समुद्र की अवधारणा और संचार के समुद्री मार्गों के जरिये समुद्र की स्वतंत्रता हमेशा गंभीर सुरक्षा मुद्दे थे।

और यह स्थिति चीनी शासन द्वारा बंगाल की खाड़ी में बंदरगाहों पर प्रभावी नियंत्रण हासिल करने, अफ्रीका के हॉर्न में एक सैन्य अड्डे का निर्माण करने, हिंद महासागर में अपने आक्रमण जारी रखने और सबसे बढ़कर दक्षिण चीन सागर में बेहद प्रतिकूल आचरण जारी रखने से काफी बढ़ गई है। हिंद महासागर को ताकत की होड़ और समुद्री डकैतियों से मुक्त रखना था।

दूसरे समूह का दृष्टिकोण ठीक इसके विपरीत है, जो खर्च और संसाधनों पर आधारित है। भविष्य के आईएसी-ढ्ढढ्ढ का मतलब होगा सात से ज्यादा वर्षों में 10 अरब डॉलर का खर्च, जबकि नौसेना का अपना पूंजी अधिग्रहण परिव्यय वर्ष 2021-22 के लिए लगभग आधा अरब डॉलर आंका गया है। छह अरब डॉलर आने वाले वर्षों में स्वदेशी पनडुब्बी परियोजना पर खर्च होंगे।

करीब चार अरब डॉलर आईएसी-I यानी आईएनएस विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों की खरीद पर खर्च किए जाने का अनुमान है। इसलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि पैसा कहां से आएगा। यहां तक कि रक्षा एवं सुरक्षा निधि के सभी संसाधनों को एक साथ मिला दिए जाने पर भी भारत के पास पूंजी की कमी हो जाएगी। इस मोड़ पर हम आईएसी-ढ्ढढ्ढ के अधिग्रहण के संबंध में वांछनीयता और अवांछनीयता पर विचार करने लगते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यदि ठीक से इसका प्रबंधन करें, तो यह संभव है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि दुनिया भर में बढ़ रहे क्षेत्रीय विवादों के साथ, विमान वाहक पोत विश्व स्तर पर उच्च मूल्य वाली युद्ध संपत्ति बन गए हैं।

लीटर और किलो में उलझी सियासत

राकेश अचल

हम आज भी राजनीति से ऊपर उठकर मुल्क के बारे में नहीं सोच पाते तो जबान और जुबान से ऊपर कैसे उठ सकते हैं.आम आदमी के मुद्दों को रेखांकित करने की कोशिश करती कांग्रेस से घबड़ाये हमारे सत्तारूढ़ दल अपने प्रतिद्वंदियों की जबान फिसलने को मुद्दा बनाकर मुकाबला करना चाहते हैं,जबकि नहीं जानते कि आज के दौर में जबान की फिसलन कितनी आम हो गयी है और बड़े-बड़ों की जबान रोज फिसलती है .

रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली में राहुल गांधी का भाषण पूरे देश ने सुना.उन्होंने भी सुना जो उनके स्मार्टक है और उन्होंने और ज्यादा गौर से सुना जो उनके विरोधी हैं और उन्हें जन्मजात % पप्पू % मानते और ठहराते आये हैं. वे जिस तरीके से बोलते हैं उसमें जादू भले नजर न आये लेकिन जो आक्रामकता है वो सामने वाले को परेशान करती है. सामने वाला चाहे सत्ता पक्ष में हो या खुद कांग्रेस की तरह विपक्ष में राहुल के प्रहार सहने की स्थिति में नहीं हैं ,ऐसे में राहुल की जबान का फिसलना सबके लिए बड़ा राहत देने वाला है. ख़ास तौर पर सत्तारूढ़ दल के लिए ,क्योंकि यही एक दल है जो शुरू से राहुल को पप्पू साबित करने में लगा है .नेताओं की जबान फिसलने के हजार किस्से हैं,इसलिए मै किसी एक का उल्लेख नहीं करूंगा .असली बात है कि बात आप तक पहुंची या नहीं ? देश में आटा 20 रूपये किलो से 40 रूपये किलो हुआ या नहीं ? आटे की माप के लिए आमतौर पर हम किलो का इस्तेमाल करते हैं किन्तु रौ में यदि हमने किलो की जगह लीटर का इस्तेमाल कर दिया तो इससे आटे के भाव नहीं बदल जाते .तरल पदार्थों का जिक्र करते हुए लीटर का इस्तेमाल करते-करते राहुल आटे पर आये और उसके लिए भी लीटर का इस्तेमाल कर गए ,तो कोई पहाड़ नहीं टूटा .पर हास्यास्पद बात ये है कि पूरा सत्तारूढ़ दल पहाड़ तोड़ने की कोशिश कर रहा है .

राहुल गांधी हों या देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ,सबकी जिम्मेदारी है कि वे अपनी-अपनी जबान को फिसलने से बचाएं . मुमकिन है कि बचाते भी हैं.प्रधानमंत्री जी तो इस मामले में बेहद सतर्कता बरतते हैं.जब भी बोलते हैं मंच के दाएं-बाएं दो मशीने लगाकर बोलते हैं ,फिर भी जबान है कि फिसले बिना नहीं मानती .जबान का काम है फिसलना,और वक्ता का काम है उसे फिसलने से रोकना .दोनों अपना-अपना काम करते हैं और कभी-कभी इस जंग में जबान जीतती है और नेता हारता है .लेकिन आप जिसे सम्बोधित कर रहे होते हैं वो भाव समझ लेता है .लेकिन हम हिन्दुस्तानी हैं कि फिसलती जबान को उसी तरह पकड़ते हैं जैसे मछुआरे पानी में बहती मछलियों को .बहरहाल बात ये है कि राहुल की जबान फिसली.उनकी जबान का उसी तरह मजाक बनाया जा रहा है जैसा आमतौर पर बनाया जाता है .बनाया भी जाना चाहिए आखिर अब राजनीतिक दलों ने इस काम के लिए बाकायदा करोड़ों रूपये खर्च कर हरावल दस्ते जो बना रखे हैं जो % तिल का ताड़ % और % लत्ते का सांप % बनाकर उसे हवा में लोहान की गंध तरह फ़ैलाने में सिद्धहस्त हैं.हम तकनीक का इस्तेमाल देश की भलाई के लिए नहीं करते,बुराई के लिए करते हैं .हमारी पुरानी आदत है. हमने तकनीक का इस्तेमाल एटीएम से एक ,पांच,दस का नोट निकालने के लिए आजतक नहीं किया ,लेकिन हम फिसलती जबान को वायरल करने में तकनीक का इस्तेमाल जरूर करते हैं और गर्व से करते हैं .इस समय देश में उपलब्ध सोशल मीडिया के तमाम मंचों पर तकनीक के घ्रणित प्रयोग की प्रतिस्पर्द्धा चल रही है. भाजपा ने 2014 में इस तकनीक का इस्तेमाल सफलता पूर्वक कर दिखाया था ,आज भाजपा के अलावा कांग्रेस सहित तमाम राजनितिक दल इस काम में लगे हुए हैं..हमारे देश के इंजीनियर अपने तकनीकी ज्ञान का इस्तेमाल करने के बजाय उसका दुरूपयोग करने के लिए खुद को आसानी से उपलब्ध करा देते हैं,क्योंकि बेचारे बे -रोजगार हैं,गरीबी और मंहगाई से जूझ रहे हैं ,उन्हें इसी काम से घर चलने की मजबूरी का सामना करना पड़ रहा है. मजबूरी का नाम आज कुछ भी हो सकता है.

पशु हाट ठेकेदार की दबंगई 60 रुपये की रसीद के जबरन 600 रुपये वसूल रहे ठेकेदार के गुर्गे

www.agritpatrika.com

भिण्ड। शहर के मेला ग्राउंड में लगने वाली पशु हाट में ठेकेदार की दबंगई चरम पर है हाट में पशु विक्रेताओं से ठेकेदार के गुर्गे 60 रुपये की जगह जबरन 600 रुपये वसूल रहे हैं इतना ही नहीं रुपये न देने पर उनके साथ अभद्रता की जाती है और मारपीट तक की जाती है

आपको बता दें कि हर रविवार को मेला परिसर में पशु हाट लगती है जिसमें जिले के किसान अपनी गाय भैंस और बकरी का विक्रय करने के लिए लाते हैं इंडियन आर्ट्स के नाम से है ठेका- पशु हाट का ठेका इंडियन आर्ट के नाम से है जिसके संचालक विजय ओझा हैं

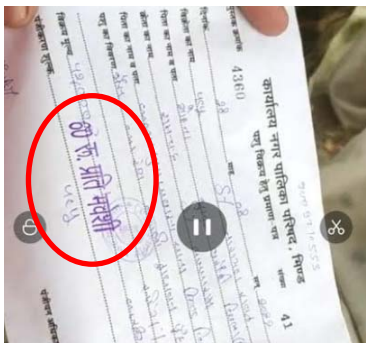

इस ठेके की स्वीकृति 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक है उंन्होने बताया कि ठेके का संचालन पूर्व पार्षद नवप्रकाश शर्मा और सतीश शर्मा के द्वारा किया जा रहा है इन लोगों के एक दर्जन से ज्यादा गुर्गों के द्वारा हाट में अवैध वसूली

की जा रही है जिनके द्वारा 60 रुपये की जगह पशु विक्रेताओं से जबरन 600 रुपये वसूल किये जा रहे हैं । लाखों रुपये महीने की है अवैध वसूली- ठेकेदार के गुर्गों के द्वारा की जा रही अवैध वसूली लाखों रुपये महीने की है वसूली करने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि हर रविवार को हाट लगती है और 100 से ज्यादा गाय और भैंस बेची जाती हैं और तीस से चालीस तक बकरी का क्रय विक्रय होता है एक पशु से 600 रुपये वसूल किये जाते हैं तो सौ पशुओं से साठ हजार रुपये तक की वसूली होती है जबकि बकरी को मिलाकर 70 से 80 हजार रुपये प्रति हफ्ते की वसूली होती है जो महीने में ढाई से तीन लाख तक पंहुचती है।

इनका कहना है

आपके द्वारा मेरे संज्ञान में मामला लाया गया है मैं इसकी जाँच करवा कर कार्यवाही करूँगा अगर मामला सही निकला तो ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही की जाएगी।

हरिबाबू शाक्यवार
प्रभारी नगरपालिका अधिकारी भिण्ड

इनका कहना है

मेरे से ठेकेदार के गुर्गों ने 60 रुपये की रसीद के 600 रुपये लिए,मैंने विरोध किया तो मारपीट पर उतारू हो गए 600 के अलावा 20 रुपये खूंटे के नाम पर भी लिए गए

रामचंद्र
पशु विक्रेता ग्राम जवासा

एलएलबी की परीक्षा में धड़ल्ले से चल रही नकल ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों के सामने हो रही जमकर नकल

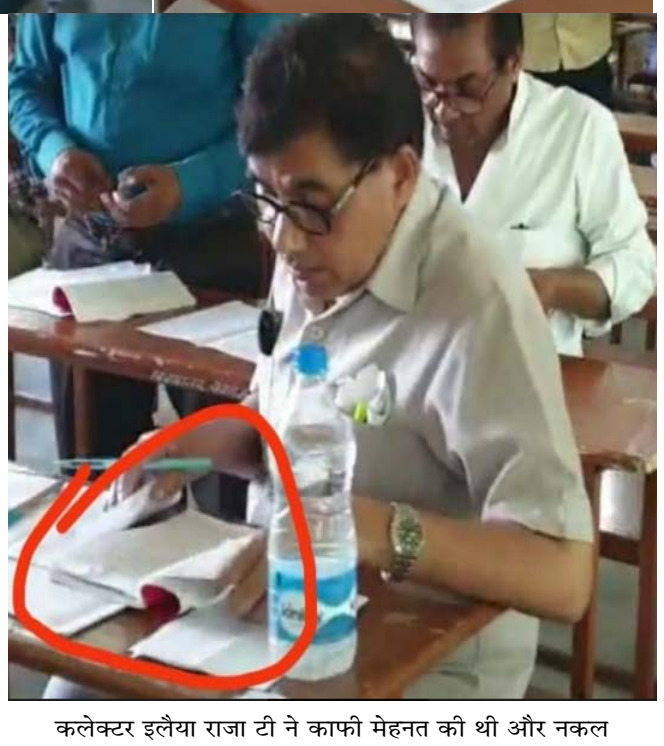

www.agritpatrika.com

भिण्ड। जीवाजी विश्वविद्यालय के द्वारा भिण्ड जिले में आयोजित एलएलबी की परीक्षा में जमकर जमकर नकल चल रही है छात्र छात्राएं गाइड और चिट से सरेआम नकल करते कैमरे में कैद हुए हैं । गौरतलब है कि एलएलबी की परीक्षा के लिए ग्वालियर रोड पर स्थित विवेकानंद कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है जिसमें चौधरी रुस्तम सिंह महाविद्यालय के छात्र परीक्षा दे रहे हैं जो मोबाइल के साथ साथ गाइड भी परीक्षा केंद्र के अंदर ले जा रहे हैं और परीक्षा कक्ष में जमकर नकल कर रहे है अंदर का आलम तो ऐसा है कि शिक्षकों की उपस्थिति से भी छात्रों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और वो बेधड़क नकल कर रहे हैं ऐसा लग रहा है कि नकल करवाने में स्कूल प्रबंधन से लेकर केंद्राध्यक्ष और शिक्षकों की भी सहभागिता है और प्रशासन इससे बेखबर बना हुआ है। तत्कालीन कलेक्टर इलैया राजा टी ने लगाया था नकल पर अंकुश- जिले में नकल रोकने के लिए तत्कालीन कलेक्टर इलैया राजा टी ने काफी मेहनत की थी और नकल पर पूरी तरह से अंकुश भी लग गया था लेकिन नकल माफिया अब दोबारा से सक्रिय हो गया है और अपने मंसूबे पूरे करने में लग गया है इसमें हैरानी की बात तो ये है कि नकल करने वाले कानून के छात्र हैं ये नकल से पास होंगे तो लोगों को क्या न्याय दिला पाएंगे,फिलहाल तो जीवाजी विश्वविद्यालय की कानून की परीक्षा जिले में मजाक बन कर रह गयी है।

लंदन से चोरी हुई बेंटले कार पाकिस्तान में मिली रजिस्ट्रेशन और नंबर प्लेट बदलने में कामयाब हुए

इस्लामाबाद । लंदन से चोरी हुई लग्जरी बेंटले मल्सैन सेडान कार पाकिस्तान के कराची में मिली है। कार को सीमा शुल्क प्रवर्तन (ष्टष्टश्व) ने कराची के एक पॉश बंगले से 2 सितंबर को बरामद किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूके की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (ह्यष्ट) ने पाकिस्तान के अधिकारियों को इस बात की जानकारी दी थी। इसके बाद छापेमारी की गई थी। कार कई हफ्ते पहले लंदन से चुराई गई थी। कार को यूके के कुछ लोगों ने पाकिस्तानी जमील शफी को बेची थी। दलाल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसकी कीमत करीब 3.22 करोड़ से

भी ज्यादा है।पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी करने वाले लोग बेंटले में ट्रेसिंग ट्रैकर को बंद नहीं कर पाए थे। इसी से यूके के अधिकारियों को मदद मिली और उन्होंने एडवांस्ड ट्रेसिंग सिस्टम के जरिए कार की लोकेशन का पता लगा लिया और पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क किया।

डॉक्यूमेंट्स और रजिस्ट्रेशन निकले फर्जी

अधिकारियों ने बताया कि चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने कार का पाकिस्तानी रजिस्ट्रेशन करवाने के साथ उसकी नंबर प्लेट भी बदल दी थी। लेकिन अधिकारियों ने जांच के दौरान देखा कि कार का चेसिस नंबर वही है, जो उन्हें यूके के अधिकारियों ने बताया था।

रैकेट के मास्टरमाइंड की तलाश जारी

उनसे कार के डॉक्यूमेंट्स भी मांगे गए लेकिन उनके पास से फर्जी डॉक्यूमेंट्स मिले। इसी तरह से चोरी की कार की पोल खुल गई। रैकेट में शामिल लोगों ने पूर्वी यूरोपीय देश के राजनयिक के डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल कर कार को पाकिस्तान तक पहुंचाया था। वहीं पुलिस रैकेट के मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है।

फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन सहीःकिसी से 4 मिनट की बातचीत से ही स्वभाव का पता चल जाता है

लंदन। किसी से कुछ देर रुककर इधर-उधर की बातें करना हमें समय बर्बाद करना लग सकता है। पर शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि किसी भी इंसान को अच्छे से समझने के लिए सिर्फ 4 मिनट की इधर-उधर की बातें भी काफी हो सकती हैं। सिर्फ इतने में ही आप सामने वाले के व्यक्तित्व, मिजाज और यहां तक कि उसके आईक्यू लेवल (बौद्धिक स्तर) को भी भांप सकते हैं। यानी फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन वाली कहावत गलत नहीं है।हाल ही में प्लस वन नामक जर्नल में यूनिवर्सिटी ऑफ वॉरविक के प्रकाशित अध्ययन में सामने आया है कि सिर्फ 4 मिनट की बातचीत से ही आप पता लगा सकते हैं कि सामने वाला व्यक्ति अलग-अलग परिस्थितियों में किस तरह का व्यवहार करेगा।

ब्रिटिश कपल ने बच्चे का नाम पकोड़ा रखा:पति-पत्नी को इंडियन डिश पसंद आई थी

लंदन । लोग अक्सर मशहूर शख्सियत के नाम पर अपने बच्चों का नाम रखते हैं। लेकिन ब्रिटेन के एक कपल ने अपने बच्चे का नाम इंडियन डिश पर रख दिया है। भारतीय इस डिश का चाय के साथ लुत्फ उठाते हैं। आयरलैंड के न्यूटाउनबेबी में रहने वाले इस कपल ने अपने बच्चे का नाम पकोड़ा रखा है।

द कैप्टन्स टेबल नाम के रेस्टोरेंट ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। दरअसल, कपल इस रेस्टोरेंट में खाना खाने आया था। मेन्यू कार्ड में इंडियन डिश थी। उन्होंने पकोड़ा ऑर्डर कर दिया। उन्हें ये इतना पसंद आया कि उन्होंने अपने न्यूबॉर्न बेबी की नाम पकोड़ा ही रख दिया।

लोगों ने दिए मजेदार रिएक्शन

नेटीजन्स फोटो पर काफी मजाकिया रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा-...और इसकी दादी मां का नाम नान। दूसरे यूजर ने लिखा- मेरे दो बच्चे हैं- चिकन और टिक्का। एक अन्य यूजर ने लिखा- प्रेगनेंसी के समय मैं केला और तरबूज बहुत खाती थी। थैंक गॉड की मैंने अपने सेंस का इस्तेमाल किया और अपने बच्चों का नाम केला और तरबूज नहीं रखा। एक यूजर ने कहा- अगले बच्चे का नाम समोसा होगा। वहीं, एक ने अपने बच्चे की फोटो शेयर करते हुए लिखा- ये मेरा बेटे है, इसका नाम चिकन बॉल है।

सोशल मीडिया पर वायरल फोटो

रेस्टोरेंट ने बच्चे के साथ ऑर्डर का बिल भी सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें लिखा- वेलकम टु द वर्ल्ड पकोड़ा। लोग इसको लेकर खूब चर्चा कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे ट्विटर पर भी शेयर किया।

शेख हसीना ने रोहिंग्या मुसलमानों को बताया बोझःबांग्लादेश की PM बोलीं- इस मुद्दे का सामाधान निकालने में भारत मदद कर सकता है

ढाका । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 5 सितंबर को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आ रही हैं। इसके पहले उन्होंने रोहिंग्या मुसलमानों को उनके देश के लिए एक चुनौती बताया। उन्होंने कहा- ये देश के लिए बहुत बड़ा बोझ हैं और उन्हें लगता है कि इस मुद्दे का समाधान निकलने में भारत एक बड़ी भूमिका निभा सकता है।

शेख हसीना ने कहा- बांग्लादेश में एक लाख से ऊपर रोहिंग्या मुसलमान हैं। सब जानते हैं कि हमारे लिए ये एक बहुत बड़ा बोझ है। भारत एक बड़ा देश है, आप इन्हें समायोजित कर सकते हैं। हम सिर्फ आपकी बात नहीं कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और पड़ोसी देशों से बात कर रहे हैं, वो कुछ कदम उठाएं जिससे कि रोहिंग्या मुसलमान

वापस अपने देश (म्यांमार) जा सकें।

कुछ लोग ड्रग स्मगलिंग कर रहे

उन्होंने कहा- हमने मानवीय आधार पर उन्हें शरण दी थी। हमने जरूरत की सभी चीजें उपलब्ध कराई हैं। कोरोना काल में सभी रोहिंग्या को वैक्सीन भी लगवाई गई। लेकिन कितने लंबे समय तक वो यहां रहेंगे? वो कैंप बनाकर रह रहे हैं। कुछ लोग ड्रग स्मगलिंग, हथियारों और महिलाओं की तस्करी जैसे धंधों में फंस गए हैं।

अमेरिका में महंगाईःअमेरिका में बच्चों का पालन-पोषण करना और महंगा हुआ

वॉशिंगटन । अमेरिका में बच्चों का पालन-पोषण करना महंगा हो गया है। ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के एक आकलन के अनुसार, एक बच्चे की परवरिश की लागत करीब 8 लाख डॉलर यानी 6.40 करोड़ रुपए हो गई है। यदि इसमें से कॉलेज की पढ़ाई के दौरान लगने वाला पैसा काट दिया जाए तो एक बच्चे को पालने की लागत 3.10 लाख डॉलर यानी 2.48 करोड़ रुपए है।यह लागत साल 2017 के मुकाबले करीब 64 लाख बढ़ गई है। ये लागत सिर्फ तभी है, जब बच्चे को केवल 17 साल तक

पाला जाए। ये आकलन केवल मध्यम आय वाले परिवारों के लिए है और माता पिता दोनों कमा रहे हैं। अमेरिका में आमतौर पर 4 साल तक कॉलेज की पढ़ाई होती है। इसके लिए एक परिवार को 5 लाख डॉलर यानी 4 करोड़ रु. खर्च करने पड़ते हैं।

बिना पढ़ाई बच्चे को पालने का खर्च

एक बच्चे को कॉलेज की पढ़ाई न करवाई जाए तो उसे पालने में 4 करोड़ कम लगते हैं।2021 की अमेरिकी जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में औसत घरेलू आय 67,521 डॉलर यानी 53.92 लाख रु. थी, जो 2019 के औसत आय से 2 लाख रु. कम थी।2020 में गरीबी दर 11.4त्न थी, इसमें 2019 के मुकाबले 1त्न की वृद्धि हुई।

इंटरनेशनल न्यूज ऑफ द वीकःसऊदी में गार्ड्स ने अनाथ लड़कियों को बाल पकड़कर घसीटा, ईरान में बेटी ने मां को फांसी दी

ईरान। एक महिला को उसकी ही बेटी ने फांसी दी। यह सजा ईरान के कानून के मुताबिक दी गई। वहीं, करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने पर सऊदी में गार्ड्स ने अनाथ लड़कियों पर लात-घूंसे बरसा दिए। इधर, अर्जेंटीना की वाइस प्रेसिडेंट क्रिस्टीना फर्नांडीज को जान से मारने की कोशिश की गई। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। सउदी अरब से अनाथ लड़कियों

के साथ मारपीट करने का वीडियो सामने आया। इस वीडियो में कुछ सिक्योरिटी गार्ड्स ऑर्फनेज (अनाथालय) में लड़कियों को बुरी तरह से पीटते दिखाई दिए। एक लड़की के बाल पकड़र उसे घसीटा गया और लात मारी गई। इतना ही नहीं उसे बेल्ट से भी मारा गया। वीडियो में सिक्योरिटी गार्ड्स हमले से बचकर भाग रही लड़कियों को डंडे मारते भी दिखाई दिए। अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज पर एक व्यक्ति ने फायरिंग की कोशिश की, लेकिन समय पर पिस्तौल नहीं चली और वह बाल-बाल बच गईं। घटना 1 सितंबर की है।

KEJRI ASKS GUJ BJP WORKERS

Don't quit party but work for AAP internally

RAJKOT

Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal on Saturday appealed to Bharatiya Janata Party (BJP) workers in Gujarat to work for his Aam Aadmi Party (AAP) while staying in the ruling party. Kejriwal said BJP workers should continue to get "payment" from the BJP but work for AAP "from inside".

Addressing a press conference in Rajkot on the final day of his two-day visit to poll-bound Gujarat, Kejriwal said BJP workers will benefit from all the "guarantees" promised by him to people when his party comes to power in the state.

"We do not want BJP leaders. The BJP can keep its leaders. BJP's 'panna pramukhs', workers in villages, booths and talukas are joining us in droves. I would like to ask them what the BJP gave them in return for their service in the party even after so many years?" the AAP national convener asked. Kejriwal said the BJP did not offer free and quality education, healthcare and free electricity to BJP workers and their family members but AAP will care for their welfare.

"You (BJP workers) can stay in that party but work for AAP. Many of them get paid (by BJP), so take the payment from there but work for us, because we do not have money," he said.

"When we form a government, we will provide free electricity, and this will apply to your houses as well. We will provide you with free, 24-hour power, and build good schools for your children where they will get free education. We will ensure free and quality treatment for your family members and offer Rs 1,000 to women (as allowance) in your family," he said. Appealing to the saffron party workers, Kejriwal said there is no point staying in the BJP and ensuring its victory again after 27 years of rule.

"I would like to tell all the BJP workers to stay there but work for the AAP. You are smart, work for AAP from the inside," he further said. He raised the issue of the recent attack on Gujarat AAP general secretary Manoj Sorathiya and apprehended that many more attacks will take place "on the people of Gujarat for supporting AAP". He appealed to people to not resort to violence.

The assembly elections in Gujarat, the home state of Prime Minister Narendra Modi and Union Home Minister Amit Shah, are slated to be held in December this year. Meanwhile, AAP MLAs visited some schools run by the Municipal Corporation of Delhi on Saturday and highlighted their "poor condition" to corner the BJP which has been targeting the Arvind Kejriwal government over alleged irregularities in the construction of its schools.

The AAP legislators, including its chief spokesperson Saurabh Bharadwaj, livestreamed their visit to the schools on social media platforms, highlighting "poor condition" of their buildings, classrooms, toilets and campuses, and slammed the BJP for raising questions on the Delhi government's expenditure on the construction of its schools.

First Azad rally today in Jammu after quitting Cong

AGENCIES
Jammu

Ghulam Nabi Azad, who recently broke his five-decade-long association with the Congress, will begin his fresh political journey Sunday from Jammu where he would set up the first unit of his own party. All preparations have been completed for Azad's first public rally in Jammu, a close aide of the former chief minister said on the eve of the public meeting.

Azad would be accorded a grand reception on his arrival from Delhi Sunday morning, and a procession would accompany him to the venue of the public meeting at the Sainik Colony, former minister G M Saroori said. Saroori is among over two dozen prominent legislators who resigned from the Congress in support of Azad. The 73-year-old Azad is likely to announce the formation of his own political party.

Azad, 73, ended his five-decade association with the Congress on August 26, terming the party "comprehensively destroyed". He also lashed out at Rahul Gandhi for "demolishing" the party's entire consultative mechanism. Since Azad's resignation, a former deputy chief minister, eight former ministers, a former MP, nine legislators besides a large number of Panchayati Raj Institution (PRI) members, municipal corporators and grassroots workers from across Jammu and Kashmir defected to the Azad camp.

Hoardings and banners welcoming Azad have been put up at the Satwari chowk along the Jammu-Airport road and in the route leading to the venue of the public rally, where seating arrangements for over 20,000 people have been made. "All those who resigned in support of Azad will be present at the public meeting," Saroori, who was busy over the past week in making arrangements for the public meeting, told PTI.

'Will object to Supertech move to build houses on site of twin towers'

NOIDA

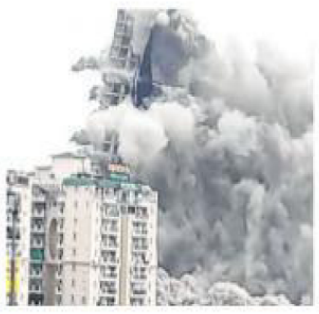

Residents of Emerald Court housing society here on Saturday said they would object to any attempt by builder Supertech Group to construct another housing tower at the spot where the illegal twin towers existed and would move court once again, if needed.

Their response came after the real estate group, which incurred an estimated loss of about Rs 500 crore from the demolition of its twin towers, said it wanted to develop a new housing project at the same place and would seek refund of land cost and other expenses if the local authorities did not approve the plan.

The nearly 100-metre-tall twin towers -- Apex and Ceyane -- were demolished on August 28 in compliance with a landmark Supreme Court order that found their construction within Emerald Court premises in violation of norms.

"Of course we are going to object to any such attempt by the builder. We will move court also, if needed," Uday Bhan Singh Teotia, the president of Emerald Court's residents' association, told PTI.

"The twin towers had come up illegally in an area within our society premises which was earmarked for a green space. No doubt, now we are going to have a park over there. There are also some suggestions from several residents for constructing a temple there but for that we are going to hold a meeting of all residents of the society in some days and a decision will be taken accordingly," Teotia, 82, one of the earliest petitioners in the landmark case, said.

Celebrate Sept 17 as Nat'l Integration Day: Owaisi

HYDERABAD

AIMIM president Asaduddin Owaisi has suggested to Union Home Minister Amit Shah that September 17 be celebrated as National Integration Day and not as Telangana Liberation Day.

Reacting to reports that the Centre has decided to celebrate 75 years of integration of the erstwhile state of Hyderabad into the Union of India, the Hyderabad MP sent a letter to Shah. Owaisi stated that the accession and merger of various princely states were not only about liberating the territories from autocratic rulers. "More importantly, the nationalist movement rightly saw the people of these territories as an integral part of independent India. Therefore, the phrase 'National Integration Day' may be more apposite, rather than mere liberation," he wrote.

The President of All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) pointed out that with the merger of erstwhile Hyderabad state and various other princely states, the people of these territories were finally recognised as equal citizens of India, as a Union of States.

"The integration of these territories is also a recognition that the people of these lands had long struggled against (indirect) British rule. Examples include Maulvi Alauddin and Turrebaz Khan in the war of Independence of 1857 and the martyred journalist Shoebullah Khan (d.1948). While the former had waged a war against the British as the Nizam's soldiers, the latter was assassinated for advocating Hyderabad's integration into the Union of India," he stated.

Owaisi also wrote that the common Hindus and Muslims of erstwhile Hyderabad state were advocates of a united India under a democratic, secular and republican government. This is also reflected in the Sunderlal Committee report. The Committee was appointed by the Government of India to report on the situation after the merger of Hyderabad. The Committee also found that mass violence was committed against common Muslims living in these territories. He attached a report of the committee with his letter.

BJP MLA gets woman detained for asking questions

AGENCIES
Bengaluru

A video in which senior BJP MLA Aravind Limbavali is purportedly seen scolding a woman, who posed questions regarding a land encroachment in the city and tried to hand over a petition to him, has gone viral. The opposition Congress hit out at the BJP government in the state over the video clip. Congress state President DK Shivakumar on Saturday condemned Limbavali's behaviour, saying he is not eligible to be a legislator.

The BJP government in the state cannot remain in power, he said. The incident occurred on Friday when the saffron party legislator was on rounds in his assembly constituency here, which had seen severe water-logging due to heavy downpour a week ago. The woman had approached Limbavali and asked him to look at the complaint letter relating to land encroachment in Mahadevapura constituency. However, he is seen yelling at her and directing the police to take her away.

Gadkari unveils India's prototype of drone tech for organ transport

CHENNAI

Union Minister for Road Transport and Highways Nitin Gadkari on Saturday unveiled India's first prototype of drone transportation of human organs to facilitate quick organ transplant in hospitals. The use of drones in moving the harvested organs from the airport to the hospital, as against the present mode of transporting them by road from airport, will reduce considerable time.

"At present, drones can be used to move the box containing the organs up to a distance of 20 km," Dr Prashanth Rajagopalan, director, MGM Healthcare, which has co-created the prototype drone technology, said. His hospital has entered into a tie-up with a city-based drone company for shifting the organs, Rajagopalan told reporters. This is aimed at revolutionising the last-mile transportation of organs, he said.

"Understanding the importance of speed and seamless transport of organs we will soon need innovation in the logistics of transportation of organs. And one such welcome suggestion is the use of drones," Gadkari said. "This is a very innovative approach to solve the problem of transportation and I appreciate MGM Healthcare in being part of the research and development," he said after unveiling the prototype, virtually from New Delhi.

Gadkari pointed out that the issue of logistics for organ transportation can be resolved through better land and air connectivity and said his ministry had already initiated measures to improve the infrastructure. Road infrastructure projects like the Bharatmala Pariyojana, a new umbrella programme for highways sector, will be a great asset to transport organs across India. "We are in the process of starting the expressway project from Delhi to Dehradun, which will reduce travel time... I am very much cautious and sensitive about transportation of organs and how I can be helpful to you on this," the minister said.

The transport time will be shorter and the expressway will be greenfield alignment and operated with a close door system, he said. Development including land acquisition and other activities are under progress, he added.

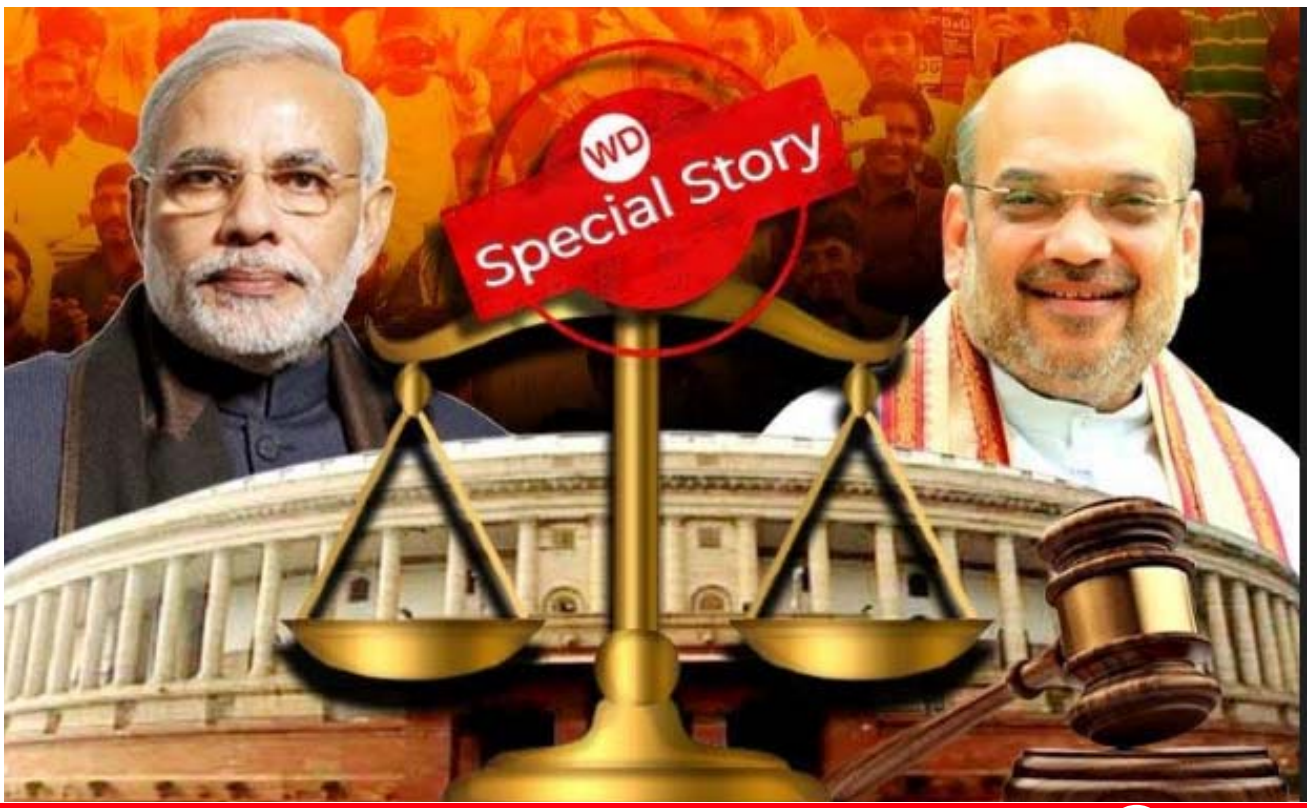

हिंदी वाले आज मुझे इस आलेख को पढ़ने से पहले ही अभयदान दे दें ,क्योंकि मैंने आज का शीर्षक हिंदी के बजाय हिंगलिस्तानी में दिया है। हिंदी में देता तो मुझे लिखना पड़ता कि मोदी हैं तो मुमकिन है और मै हर जगह माननीय मोदी जी को घसीटना ठीक नहीं समझता । हर बात केलिए मोदी जी को लांछित करना राष्ट्रद्रोह है । दरअसल आज मंहगाई बढ़ने के साथ ही देश में अपराध बढ़ने का जिक्र भी करने जा रहा हूँ । हमारे यहां हर दिन 80 मर्डर, हर घंटे 3 रेप हो रहे हैं .इस पर हंगामा मचाने की कोई जरूरत नहीं है ।

=इट्स हैपन्ड ओनली इन इंडिया=

भारत में अनेक संवैधानिक संस्थाएं तोता-मैना बन चुकी हैं । हमारे पास केंचुआ भी हैं लेकिन एक संस्था है नेशनल क्राइम ब्यूरो इसे काबू में नहीं किया जा सका है । ये संस्था हर साल देश में अपराधों के राष्ट्रव्यापी आंकड़े एकत्र कर उन्हें जारी करती है । इस संस्था के आंकड़ों से हर बार देश की और देश की सरकार की बदनामी होती है । इस बार के आंकड़े भी भयावह हैं ।नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने 2021 में हुए अपराधों पर रिपोर्ट जारी कर दी है । इसके मुताबिक, पिछले साल देशभर के पुलिस थानों में 60 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए थे । रिपोर्ट में बताया गया है कि रेप के 31,677 मामले दर्ज हुए थे । ये ब्यूरो एक सफेद हाथी है ,लेकिन पालना पड़ता है ।क्योंकि जब तक सरकार के पास रंग-बिरंगे हाथी न हों तब तक शोभा नहीं बनती । अब ब्यूरो के आंकड़े सरकार के लिए समस्या पैदा करेंगे । विसंगति ये है कि आंकड़े पंडित जवाहर लाल नेहरू के जमाने के नहीं बल्कि माननीय मोदी जी के जमाने के हैं .स्वभाविक है की दोनों का जमाना अलग-अलग है ।

मुझे कभी-कभी लगता है कि कांग्रेस के पास दूरदृष्टि का अभाव आज भले दिखाई देता हो लेकिन कल नहीं था । कांग्रेस को पता था कि एक दिन भारत में जादूगर नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी और उसको बदनाम करने के लिए कुछ तो चाहिए । अब ये ब्यूरो मोदी-शाह की नाम में दम किये है । हाल ही में ब्यूरो ने 2021 की रिपोर्ट जारी की है । इसके मुताबिक, पिछले साल देशभर में 60.96 लाख आपराधिक मामले दर्ज हुए थे । इनमें से 36.63 लाख मामले भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दर्ज हुए थे । हालांकि, 2020 की तुलना में 2021 में करीब 8 प्रतिशत मामले कम दर्ज हुए हैं ।2020 में 66 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए थे ।

देश में तमाम जरूरी काम हैं ,लेकिन आंकड़ेबाजी को भी इसी में शामिल कर लिया गया । अब हर आंकड़ा तो आपकी तस्वीर निखार नहीं सकता 7 यही नेशनल ब्यूरो के साथ है । इसके आंकड़े सरकार की तस्वीर बनाने के बजाय बिगाड़ देते हैं । इन आंकड़ों से देश का लालित्य बिगड़ता है और तब गुजरात दंगे के तमाम मामलों को हमारी सबसे

बड़ी अदालत को एक झटके में बंद करना पड़ता है । अब जब मामले दर्ज होंगे तो उन्हें सुनना भी पड़ेगा ,लेकिन आखिर कब तक ? इसलिए न रहे बांस और न बजे बाँसुरी ।

ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट बताती है कि देश में सियासत के अलावा अपराध भी होते हैं । भले ही आप कितना भी सबको साथ लेकर चलो या सबका विकास करो 7 इस रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 में देशभर में हत्या के 29,272 मामले दर्ज किए गए । यानी, हर दिन 80 मामले. 2020 की तुलना में ये आंकड़ा 0.3 प्रतिशत ज्यादा रहा । 2020 में हत्या के 29,193 केस दर्ज हुए थे 7 रिपोर्ट में बताया गया है कि हत्या की सबसे बड़ी वजह विवाद रही । पिछले साल विवाद की वजह से 9,765 हत्याएं हुई थीं । वहीं, निजी दुश्मनी के चलते 3,782 हत्याएं हुई थीं । अब इतना बड़ा देश है तो कुछ न कुछ तो होगा ही ।

देश में महंगाई बढ़ रही है इसलिए अपराध भी बढ़ रहे हैं । लोगों के पास काम नहीं है इसलिए मजबूरी में हम भारतीय अपहरण को कुटीर उद्योग बना लेते हैं । इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 1 लाख से ज्यादा लोगों का अपहरण हुआ था । जिनका अपहरण हुआ था, उनमें 86,543 महिलाएं थीं. इनमें भी 58 हजार से ज्यादा नाबालिग शामिल हैं । पहले इस धंधे पर हम चंबल वालों का एकाधिकार था,किन्तु अब ये राष्ट्रव्यापी धंधा है । मेरा मानना है कि अपहरण उद्योग को भी सरकारी मान्यता देकर वैध कर देना चाहिए । इससे भी जीएसटी कि जरिये अच्छी कमाई हो सकती है ।

ब्यूरो रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4.28 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए थे । इस हिसाब से हर दिन 1,173 मामले हुए. 2020 की तुलना में 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 15 प्रतिशत से ज्यादा मामले दर्ज हुए 7 बलात्कार के 31,677 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 31,878 पीड़िताएं थीं। यानी, हर घंटे तीन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ । इनमें 28,840 वयस्क और 3,038 नाबालिग थीं । बलात्कार की कोशिश के 3,800 मामले दर्ज हुए । 2022-08-30बच्चों के खिलाफ अपराध के 1.49 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे । ये संख्या 2020 की तुलना में 16 प्रतिशत से ज्यादा है । बच्चों के खिलाफ अपराध के सबसे ज्यादा मामले किडनैपिंग और पोस्को एक्ट के तहत दर्ज हुए थे ।

बलात्कार के 97 प्रतिशत मामलों में पहचान वाला ही आरोपी निकलता है. पिछले साल 31,677 में से 30,571 मामलों में आरोपी पीड़िता की पहचान वाला ही है ।. जबकि 2,024 मामलों में परिवार का ही कोई सदस्य आरोपी था । वहीं 15,196 मामलों में आरोपी कोई पारिवारिक दोस्त, पड़ोसी या जान-पहचान का ही था । जबकि 12,951 मामलों में ऑनलाइन फ्रेंड, लिव-इन पार्टनर या शादी का झांसा देने वाला आरोपी था. 1,106 मामलों में आरोपी की पहचान नहीं हो सकी ।मुझे नेशनल क्राइम ब्यूरो की एक ही बात अच्छी और काबिले तारीफ़ लगती है कि इसके अधिकारी आंकड़ों को छिपाते नहीं हैं,झूठ नहीं बोलते 7 आज के महाभ्रष्ट जमानेमें ये बहुत बड़ी बात है । अन्यथा जब सरकार संसद में कॉरोनकाल में ऑक्सीजन की कमी से एक भी आदमी के न मरने का दावा कर सकती है तो नेशनल क्राइम ब्यूरो के आंकड़ों को क्यों नहीं झुठला सकती ? लेकिन अपराध का विकास से सीधा रिश्ता है इसलिए इन आंकड़ों को सम्मान के साथ न केवल जारी किया जाता है अपितु इनका प्रचार भी किया जाता है ताकि जनता जान ले की देश में नेता और जनता हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठे हैं. कुछ न कुछ कर ही रहे हैं ।अपराध एक धर्मनिरपेक्ष विषय है, इसे हिन्दू-मुसलमान कोई भी कर सकता है । अब देखिये न भाजपा के नेता असम में चकला चलते हुए पकडे गए, मथुरा से एक दुधमुंही बच्ची का अपहरण हुआ लेकिन मिली वो भी भाजपा नेता के घर । कांग्रेसी तो जन्मजात अपराधी हैं.। अब जेडीयू ,आम आदमी पार्टी ,झामुमो जैसे दलों ने भी अपराध करना सीख लिया है । तभी तो हर दिन किसी न किसी नेता के यहां ईडी को छापे डालना पड़ते हैं ।बहरहाल इन आंकड़ों को पढ़कर सरकार जागे या न जगे,किन्तु आप जरूर जागिये ,उठिये और अपराधों को बढ़ने से रोकिये,क्योंकि ये काम अकेले पुलिस का नहीं है. पुलिस भी जब मौक़ा मिलता है बहती गंगा में हाथ धो ही लेती है .

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-अजय शर्मा। अग्रित प्रेस, 9-ए, एक्सटेंशन, भगत सिंह नगर, ग्वालियर (म.प्र.) 474001 से मुद्रित तथा प्रकाशित।
मोबाइल नं। 09425949285, **Email.agritpatrika@gmail.com,** (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)